NAV BHARAT JAGRITI KENDRA Newsletter

नव भारत जागृति केन्द्र सूचनापत्र

January - March, 2020 www.nbjk.org जनवरी - मार्च, 2020

Murhu Nari Shakti Kisan Producer Company Limited: Empowering Women-Farmers

Murhu Nari Shakti Kisan Producer Co. Ltd. (MNSKPCL) came into being in the year 2018, as a revenue model while ensuring reasonable returns to the farmers and quality vegetables, livestock's and lac products to the consumers. MNSKPCL is an emerging producer company working with 4000 plus farmers with a capital base of Rs. 24 lakhs. The Company is working with the tagline Lakhpati Kisan™ Smart Village; the very program started by NBJK with support of CInI-Tata Trusts in 2015 for small, marginal tribal farmers of Murhu block in Khunti district of Jharkhand and enabled them to form a company within the period of 3 years only. MNSKPCL's operational area is entire Jharkhand but currently it has focused on Murhu block with key principles like to organize farmers into a collective and to improve their bargaining capacity in the market.

Before this, under the program of *Lakhpati Kisan,* NBJK has promoted local farmers, especially women towards formation of village organizations, provided inputs for high value agriculture-lac production-pig/goat/fish farming along with proper irrigation facility. The program got convergence with the government schemes also and set a target to raise people's average annual income up to Rs. 1,20,000 from Rs. 30,000 as revealed by a baseline survey. This intervention has covered 2,500 HHs in 45 villages and farmers started to get profit by growing cash crops like tomato, cabbage, watermelon etc., during Kharif, Rabi and zaid seasons. In process of building women institutions like SHGs/clusters, the very idea of a farmers' producer company like MNSKPCL took place, now showing its worth and linked to JOHAR project under JSLPS, GoJ also. Currently 100 high value agriculture & fish producers' groups are associated with MNSKPCL and 2,148 producers/members have been on-boarding with equity share contribution which is more than Rupees Fourteen Lakh and a results the company received matching equity grant of Rupees Ten Lakh as World Bank's financial assistance under JOHAR.

The company has provided support to rural households and created entrepreneurship by promoting Hi-tech nurseries, ensured supply of soilless commercial crop seedlings, high breed piglets to pig farmers, established solar lac pruner for lac produce processing and solar cold storage to stock high value agro products for better marketing. Also rural business hubs have been created to reach the producers on time. Last year MNSKPCL dispatched 210 MT watermelon and 237 MT tomato worth Rs. 16 lakh and Rs. 47.25 lakh respectively. Till November'19, its turnover counted as Rs. 1.35 crore for the period of last 8 months with maintained capital base of Rs. 24 lakh. Any small/marginal farmer or landless labourer can be the shareholder of MNSKPCL by contributing to equity of the company. All producers/ members have equal voting rights irrespective of the number of shares and if someone is a non-producer and wants to invest in the equity, it is not possible.

MNSKPCL is working as an apex community institution for spearheading developmental activities in irreversible manner through institutional linkages, agricultural input supply & marketing, processing, equipment manufacturing, public-sector research & extension agencies, universities, CBOs, producer's groups etc.

महिला–किसान सशक्तिकरण हेतु समर्पित मुरहू नारी शक्ति किसान प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड

एक आय सृजक मॉडल के रूप में मुरहू नारी शक्ति किसान प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड की स्थापना वर्ष 2018 में हुई थी, जो किसानों को उचित आमदनी के साथ उपभोक्ताओं को गुणवत्तापूर्ण सब्जी, पशुधन और लाह उत्पादनों की श्रृंखला उपलब्ध कराता है. आज एमएनएसकेपीसीएल तेजी के साथ उभरती हुई एक उत्पादक कंपनी है, जो 24 लाख रु० की आधारभूत पूंजी के साथ शुरू हुई थी और अभी 4000 से ज्यादा किसानों के साथ कार्यरत है. यह कंपनी अपने टैगलाइन "लखपति किसान[टीएम] स्मार्ट विलेज" के साथ काम करती है, जिस कार्यक्रम को एनबीजेके ने 2015 में झारखंड के खूंटी जिला अंतर्गत मुरहू प्रखंड के छोटे–सीमांत किसानों हेतु सिनी–टाटा ट्रस्ट्स के सहयोग से प्रारंभ किया था और जिसके माध्यम से सिर्फ तीन वर्षों की अवधि में उन किसानों को इस योग्य बनाया गया कि वे एक कंपनी की शुरुआत कर सकें. एमएनएसकेपीसीएल का कार्यक्षेत्र संपूर्ण झारखंड है लेकिन फिलहाल इसने किसानों के संगठन और बाजार में मोल–तोल करने की उनकी क्षमता वृद्धि जैसे अपने मूल सिद्धांतों के साथ मुरहू प्रखंड पर फोकस रखा है.

इसके पहले लखपति किसान कार्यक्रम के तहत एनबीजेके ने स्थानीय किसानों, विशेषकर महिलाओं को ग्राम स्तरीय संगठन निर्माण हेतु प्रोत्साहित किया और उच्च मूल्य के कृषि–लाह उत्पादन–सूकर/बकरी/मछली पालन के साथ समुचित सिंचाई सुविधा संबंधी इनपुट्स उपलब्ध कराया. इस कार्यक्रम को सरकारी योजनाओं के साथ भी जोड़ा गया और एक लक्ष्य हासिल करने की कोशिश हुई कि लोगों की वार्षिक आय 30,000 रु० (स्रोत–बेसलाइन सर्वे) से बढ़कर 1,20,000 रु० तक पहुंचे. इस हस्तक्षेप ने 45 गांवों के 2,500 परिवारों को आच्छादित किया और किसानों को खरीफ, रबी, मध्यवर्ती मौसमों में टमाटर, पत्ता गोभी, तरबूज जैसे नकदी फसलों का उत्पादन करने से मुनाफा हुआ. महिला स्वमदद समूह/क्लस्टर गठन प्रक्रिया के दौरान ही किसानों की एक उत्पादक कंपनी खोलने पर हुए सामूहिक चिंतन के फलस्वरूप आज एमएनएसकेपीसीएल अपनी महत्वपूर्ण गतिविधियों के साथ हमारे बीच मौजूद है और अब तो यह जेएसएलपीएस की जोहार परियोजना से भी सम्बद्ध है. वर्तमान में इसके साथ 100 उच्च मूल्य कृषि उत्पादक और मछली पालक समूह जुड़े हैं और 2,148 इक्विटी शेयर धारक उत्पादकों/सदस्यों का योगदान 14 लाख रु० से अधिक है, जिसके कारण कंपनी को जोहार परियोजना अंतर्गत वर्ल्ड बैंक से 10 लाख रु० का मैचिंग ग्रांट मिला है.

कंपनी द्वारा ग्रामीण परिवारों के बीच उद्यमिता विकास में सहयोग मिला है और उनके लिए हाइ–टेक नर्सरी, व्यावसायिक फसलों के मिट्टी रहित पौधों, अच्छी नस्ल के सूकर छौनों की आपूर्ति से लेकर सोलर लाह प्रूनर और कोल्ड स्टोरेज की व्यवस्था की गयी है ताकि उनके उत्पाद स्तरीय हों और उन्हें बेहतर बाजार भाव पर बेचा जा सके. साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में व्यावसायिक हब भी बनाये गये हैं, जिससे उत्पादकों तक समय पर पहुंचा जा सके. पिछले वर्ष एमएनएसकेपीसीएल के जरिये 16 लाख रु० के 210 टन तरबूज और 47.25 लाख रु० के 237 टन टमाटर की बिक्री हुई, जबकि नवम्बर'19 तक पिछले 8 महीनों में 24 लाख रु० की मूल पूंजी के साथ कंपनी का टर्नओवर 1.35 करोड़ रु० का था.

कोई भी लघु/सीमांत किसान या मजदूर इक्विटी खरीदकर इस कंपनी का शेयरहोल्डर हो सकता है. सभी उत्पादकों/सदस्यों को समान मताधिकार है, चाहे उसने कितने ही शेयर क्यों न खरीदे हों और उत्पादकों के अलावा यदि कोई अन्य सिर्फ इक्विटी खरीदकर इसमें निवेश करना चाहे तो वह संभव नहीं है.

आज एमएनएसकेपीसीएल अपने सांस्थानिक संपर्कों, कृषि इनपुट आपूर्ति–मार्केटिंग, प्रोसेसिंग, उपकरण निर्माण, सार्वजनिक क्षेत्र शोध, विस्तार एजेंसियों, विश्वविद्यालयों, समुदाय आधारित संगठनों, उत्पादक समूहों आदि के माध्यम से अपरिवर्तनीय विकासपरक गतिविधियों का नेतृत्व करने वाला एक शीर्ष सामुदायिक संस्थान बनकर उभरा है.

LNJP Eye Hospital at Kajha

18 January 2020, Kajha (Gaya): With support of WEN Giving Foundation-Australia & Mission for Vision-India, NBJK started 3rd unit of LokNayak JayPrakash Eye hospital at Kajha village, about 16 km east from Gaya. This 40-bed modern eye hospital is with service charge for capable and subsidized/free of cost treatment for poor people. Dr. Prem Kumar (Agriculture Minister, Bihar) inaugurated this with Mr. Vijay Manjhi (MP, Gaya), Mr. Awdhesh Kr. Singh (MLA, Wazirganj), Mr. Sanjiv Shyam Singh (MLC) and Mrs. Jyoti Manjhi (Ex-MLA, Barachatti). In his welcome address, Mr. Girija Satish (President, NBJK) said about specific features of the hospital including modular OT, RO water plant, fire safety, branded equipments, camera, intercom, infection free treatment and many more. He dedicated LNJPEH-Kajha to the people of Magadh and requested the Government to support it under Ayushman Bharat/DBCS. Dr. Prem Kumar (Minister) called LNJPEH as a direct benefit for public and thanked NBJK, MFV & WGF for such initiative. Mr. Vijay Manjhi (MP) termed the hospital as a long awaited boon to mass and assured for all possible support. Mr. Awdhesh Kr. Singh (MLA) appreciated NBJK & support organizations for taking care of needy people. Speaking on the occasion, Mrs. Mei Wen (Founder, WGF) mentioned mother Ganga, the river as a flow of life and assured for support to make people's live better. Ms. Elizabeth Kurian (CEO, MFV) was hopeful about LNJPEH's crucial role in eradication of needless blindness. Mr. Gandharv Gaurav (Director-Eye Care, NBJK) delivered vote of thanks. Before this, LNJPEH-Dumka has initiated a Vision Center at village-Charkapaathar in Saraiyahat block of Dumka district on 2nd January.

काझा में एलएनजेपी आँख अस्पताल

18 जनवरी 2020, काझा (गया): गया शहर से लगभग 16 किमी पूरब काझा गांव में एनबीजेके ने वेन गिविंग फाउंडेशन–ऑस्ट्रेलिया और मिशन फॉर विजन–इंडिया के सहयोग से लोकनायक जयप्रकाश आँख अस्पताल की तीसरी इकाई का शुभारंभ किया. 40 बेड वाले इस आधुनिक आँख अस्पताल में सामर्थ्यवानों से सेवा शुल्क लिया जायेगा और गरीबों की चिकित्सा रियायती दर पर अथवा निःशुल्क होगी. डॉ० प्रेम कुमार (कृषि मंत्री, बिहार सरकार) ने सर्वश्री विजय मांझी (सांसद, गया), अवधेश कु० सिंह (विधायक, वजीरगंज), संजीव श्याम सिंह (विधान पार्षद) और श्रीमती ज्योति मांझी (पूर्व विधायिका, बाराचट्टी) के साथ इसका उद्घाटन किया. अपने स्वागत संबोधन में श्री गिरिजा सतीश (अध्यक्ष, एनबीजेके) ने अस्पताल में मोड्यूलर ओटी, आरओ वाटर प्लांट, अग्नि सुरक्षा, ब्रांडेड उपकरण, कैमरा, इंटरकॉम, संक्रमण मुक्त इलाज व अन्य विशेषताओं पर प्रकाश डाला और इसे मगध क्षेत्र के लोगों को समर्पित करते हुए सरकार से अनुरोध किया कि अस्पताल को आयुष्मान भारत–जिला अंधापन नियंत्रण कार्यक्रम से भी जोड़ा जाए. डॉ० प्रेम कुमार ने ऐसे प्रयास हेतु एनबीजेके, एमएफवी और डब्लूजीएफ के प्रति आभार प्रकट करते हुए आँख अस्पताल को जनता का सीधा फायदा बताया. श्री विजय मांझी ने इसे लोगों के लिए एक बहुप्रतीक्षित वरदान कहा और श्री अवधेश कु० सिंह ने जरूरतमंद लोगों की सुधि लेने वास्ते एनबीजेके और सहयोगी संस्थाओं की सराहना किया. इस अवसर पर श्रीमती मी वेन (संस्थापिका, डब्लूजीएफ) ने एक बेहतर जनजीवन में सहयोग का आश्वासन दिया और सुश्री एलिजाबेथ कुरियन (मुख्य कार्यकारी, एमएफवी) ने अनावश्यक अंधापन दूर करने में इस अस्पताल की भूमिका को महत्वपूर्ण माना. श्री गन्धर्व गौरव (निदेशक–नेत्र सुरक्षा, एनबीजेके) ने धन्यवाद ज्ञापन किया. इसके पूर्व 2 जनवरी को दुमका जिला (झारखंड) के सरैयाहाट प्रखंड में चरकापाथर गांव में एलएनजेपीइएच–दुमका की ओर से एक आधुनिक विजन सेंटर की शुरुआत हुई थी.

NBJK Celebrates Nation's 71st Republic Day

26 January 2020, Amritnagar (Hazaribag): India's 71st Republic Day has been celebrated with full zest at NBJK's offices and schools. At coordination office, Mr. Girija Satish (President, NBJK) unfurled the tricolor flag. In his address, he referred Indian Constitution as guiding principle and talked about fundamental rights of citizens. There are problems of poverty, unemployment, education, health, agriculture etc. and they must be addressed with decentralized as well as pro-farmer economic policy, he opined. Mr. Girija Satish suggested for drip irrigation in Jharkhand and to counter social evils of superstition, liquor, women atrocity by promoting scientific temper. Mr. Satish Girija (Secretary, NBJK) has quoted verses of nation's poet laureate late Shri Maithily Sharan Gupt which means *Never to be afraid of death, one never dies if lives for others, only feeding ourselves is an animal instinct, a true human being lives or dies for others.* Mr. Prabhu Nath Sharma (Treasurer, NBJK) appealed the people for self-analysis to decide right direction of life. At NBJK run Surekha Prakashbhai Public School, Bahera (Chouparan), Mr. Ivan Nutbrown and Mr. M. A. Willis (NBJK Supporters from UK) were distinguished guests. They appreciated the students for their well-disciplined parade and a wide range of cultural activities. Ms. Rina Pandey (Principal, SPPS) thanked all teachers, students and management for support to make the day memorable.

एनबीजेके ने मनाया देश का 71वां गणतंत्र दिवस

26 जनवरी 2020, अमृतनगर (हजारीबाग): एनबीजेके के कार्यालयों और विद्यालयों में भारत का 71वां गणतंत्र दिवस समारोह पूर्ण उत्साह के साथ आयोजित किया गया. संयोजन कार्यालय में श्री गिरिजा सतीश (अध्यक्ष, एनबीजेके) ने तिरंगा झंडा लहराया और अपने उद्बोधन में भारतीय संविधान को मार्गदर्शी सिद्धांत मानते हुए नागरिकों के मौलिक अधिकारों की चर्चा किया. उन्होंने कहा कि गरीबी, बेरोजगारी, बीमारी, अशिक्षा, घाटे वाली खेती जैसी समस्याओं को विकेंद्रीकृत और किसान समर्थक आर्थिक नीतियों के माध्यम से हल किया जाना चाहिये. श्री गिरिजा सतीश ने झारखंड हेतु ड्रिप सिंचाई को उपयुक्त मानते हुए सलाह दिया कि अंधविश्वास, शराबखोरी, महिलाओं पर जुल्म जैसी सामाजिक समस्याओं का मुकाबला करने के लिए वैज्ञानिक सोच को बढ़ावा देने की जरूरत है. इस अवसर पर श्री सतीश गिरिजा (सचिव, एनबीजेके) ने राष्ट्रकवि स्व० श्री मैथिलीशरण गुप्त रचित पंक्तियां "विचार लो कि मर्त्य हो न मृत्यु से डरो कभी, मरो परन्तु यों मरो कि याद जो करें सभी.....यही पशु प्रवृत्ति है कि आप आप ही चरे, वही मनुष्य है कि जो मनुष्य के लिए मरे" को उद्धरित करते हुए उपस्थित लोगों को प्रेरित किया. श्री प्रभुनाथ शर्मा (कोषाध्यक्ष, एनबीजेके) ने जीवन को सही दिशा देने के लिए आत्मावलोकन की अपील किया. संस्था संचालित सुरेखा प्रकाशभाई पब्लिक स्कूल, बहेरा (चौपारण) में आयोजित कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री आइवन नटब्राउन और श्री एम० ए० विलिस (एनबीजेके समर्थक ब्रिटिश नागरिक) थे, जिन्होंने छात्रों–छात्राओं द्वारा प्रस्तुत अनुशासित परेड और बहुरंगी सांस्कृतिक कार्यक्रम को सराहा. सुश्री रीना पांडेय (प्राचार्या, एसपीपीएस) इस दिन को यादगार बनाने के लिए सभी शिक्षकों, विद्यार्थियों और प्रबंधन को धन्यवाद दिया.

NBJK Fights Against COVID-19

20-31 March 2020, Bokaro: Keeping view of unavailability of masks in local market during Corona disaster, Team NBJK-Bokaro and CSR Vedanta have taken initiative to make available this valuable item as a consolatory measure for frightened mass. 11 Sewing Training Centers and 1 Industrial Gloves Making Unit running under Vedanta ESL Skill Development Program have made 5000 masks within three days only to prevent the panic of COVID-19 to some extent and infused a sense of security among common people. It's to be known that the program is being executed by NBJK in 29 villages of Chas and Chandankiyari blocks of Bokaro district in Jharkhand with CSR support of Electrosteel Steels Ltd., a Vedanta Group Company. Likewise on 29 March at Chouparan (Hazaribag), NBJK run LNJP Eye Hospital provided masks, gloves, sanitizers to local administration & social workers. The BDO, MO, PS In-Charge & other officers assured to distribute all these items among Anganwadi Didis-ASHAs & other community health workers, policemen to protect them while working against the pandemic at ground level. Chouparan PS In-Charge told that most of the policemen were in dire need of such utilities to ensure Corona lockdown in the area. The eye hospital and NBJK run SPP School have been closed and converted as quarantine centers where NBJK staffs are taking care of inmates day & night as per the last information.

कोरोना विरोधी मुहिम में एनबीजेके

20–31 मार्च 2020, झारखंड: कोरोना संकट के दौरान स्थानीय बाजार में मास्क अभाव के मद्देनजर बुरी तरह डरे हुए लोगों को राहत पहुंचाने के उद्देश्य से टीम एनबीजेके–बोकारो और सीएसआर वेदांता की ओर से इस उपयोगी सामग्री को उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल हुई. वेदांता इएसएल स्किल डेवलपमेंट कार्यक्रम अंतर्गत संचालित 11 सिलाई प्रशिक्षण केन्द्रों और 01 औद्योगिक दस्ताना निर्माण केंद्र ने सिर्फ तीन दिनों के अंदर 5000 मास्कों का निर्माण कर जनसाधारण को कोविड–19 के आतंक से बचाकर उनके भीतर कुछ हद तक सुरक्षा की भावना पैदा करने का महत्वपूर्ण काम किया. विदित हो कि वेदांता ग्रुप की कंपनी इलेक्ट्रोस्टील स्टील्स लिमिटेड के सीएसआर सहयोग से झारखंड में बोकारो जिला अंतर्गत चास और चंदनकियारी प्रखंडों के 29 गांवों में एनबीजेके द्वारा इस कार्यक्रम का क्रियान्वयन किया जा रहा है. इसी प्रकार 29 मार्च को चौपारण (हजारीबाग) में एनबीजेके संचालित लोकनायक जयप्रकाश आँख अस्पताल की ओर से स्थानीय प्रशासन और सामाजिक कार्यकर्ताओं को मास्क, दस्ताना और सेनिटाइजर प्रदान किये गए. बीडीओ, एमओ, थाना प्रभारी एवं अन्य अधिकारियों ने आश्वस्त किया कि इन सामग्रियों को कोरोना महामारी के खिलाफ जमीनी स्तर पर लड़ने वाले सामुदायिक स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं, आंगनबाड़ीध्सहिया दीदियों, पुलिसकर्मियों तक उनके सुरक्षार्थ पहुँचाया जाएगा. अंतिम खबर मिलने तक इस संकट के दौरान आँख अस्पताल और संस्था के ही एसपीपी स्कूल को बंद कर क्वारंटाइन सेंटर बनाए गये हैं, जहां रुके लोगों की सेवा में एनबीजेके कार्यकर्तागण सतत लगे हुए हैं.

"Ban Liquor" Conventions in Jharkhand

24 Feb-15 March 2020, Jharkhand: Jamnalal Bajaj Foundation-Mumbai, NBJK, likeminded VOs and Lok Samiti have launched a massive campaign against liquor in Jharkhand through a series of conventions. On 24-25 February, at Hazaribag and Ranchi, Mr. Girija Satish (LS national president) said that liquor is a major hurdle against development of any person-family-society-country. He announced about a signature campaign and appealed to make it an issue for election. He expressed serious concern over liquor addiction among school children even, blamed alcoholism for most of the crimes against women as well as road accidents and demanded for complete ban upon liquor. On the occasion of International Women's Day, such conventions held at Koderma, Bokaro and Garhwa districts. At Meral (Garhwa), 80 anti-liquor women volunteers have been honored with shawl & memento. On 12th March in Saraikela Kharsawan district, Mrs. Chami Murmu (Nari Shakti Awardee) was the chief guest of the program. Likewise in Chatra and Giridih, anti-liquor conventions held on 13th and 15th March respectively. Mr. Jagarnath Mahto (Minister for Deptt. of Excise & Prohibition, GoJ) was chief guest in the program organized at Bokaro while many women Mukhiyas-Pramukhs have participated at other places. Earlier on 16th February, Mr. Girija Satish represented Lok Samiti in a national convention upon Liquor-free India at Delhi where Mr. Nitish Kumar (Chief Minister, Bihar) and Mr. Harivansh (Dy. Chairman, Rajya Sabha) too were present.

Activities of SBI Gram Seva

January-February 2020, Deoghar-Jamui: Under NBJK run program of SBI Gram Seva with support of SBI Foundation-Mumbai, a number of activities held for integrated development of 10 target villages in Deoghar Sadar and Chakai blocks. In 5 villages of Deoghar Sadar block, this linked 11 women-men with *RSETI* for Mushroom cultivation training and enrolled 35 students at *SBI Prerna* for tailoring training. 5 CICs have been painted thematically and DTH service made available there. 4 new hand pumps installed with repair of 13 defunct ones and construction of 1 meeting-15 pot cleaning platforms, 1 crematorium shed, 7 soak pits and 525 feet drainage could be ensured during the period. 85 street lights have been installed in the villages with renovation of an old community library and a block level CHC. The youth groups got sports kit and participated in sports events. On 16th February, 120 people went through a free eye check up camp while 17 benefitted with cataract surgery. In Chakai block, 120 persons from 5 villages have been served with eye check up camp on 9th February and cataract surgery ensured for 29 among them. Construction of 12 soak pits and installation of 130 street lights took place in the villages while renovation of a tailoring training centre, an Anganwadi centre and a school held within these two months. Also branding of CICs & digital classroom has been done here. Besides this all routine activities under the program continued in all operational villages.

Jharkhand State Level Carers Forum Meeting

28 February 2020, Ranchi: At the office of State Disability Commissioner, a meeting of Jharkhand State Level Carers Forum (JSLCF) was organized under the joint auspices of NBJK, Carers Worldwide, U. K. and Commonwealth Foundation, U. K. in presence of Mr. Satish Chandra (SDC, Jharkhand). During the meeting, it was decided to form a core team for smooth functioning of JSLCF. Also different VOs/networks from disability sector will be added to the forum for proper representation of the people. The SDC has appreciated NBJK & Carers Worldwide for such an initiative upon issues pertaining to the people taking care of their dependent PwDs or PwMIE and assured for all possible support. Dr. Anil Patil (ED, Carers Worldwide) assured for support to JSLCF till its full formation & strengthening. Mr. Satish Girija (Secretary, NBJK) has briefed about Carers program by NBJK with support of Carers Worldwide for the people taking care of their dependent PwDs/PwMIE/old aged family members and discussed on very need of a body like JSLCF. The representatives from VOs/bodies as National Career Service Centre for Differently Abled, Deepshikha, Blind People's Association, Koshish, Special Teachers' Association, Bhawishya Kiran and PCSS from Ranchi, Ramgarh and Hazaribag have participated in the meeting.

झारखंड में शराब विरोधी सम्मेलनों का आयोजन

24 फरवरीः 15 मार्च 2020, झारखंडः जमनालाल बजाज फाउंडेशन–मुंबई, एनबीजेके, सहधर्मी संस्थाओं और लोक समिति ने राज्य के विभिन्न जिलों में शराब विरोधी सम्मेलनों का आयोजन कर उसके विरुद्ध एक प्रभावशाली अभियान चलाया है. 24–25 फरवरी को हजारीबाग और रांची सम्मेलन में लोक समिति राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री गिरिजा सतीश ने व्यक्ति–परिवार–समाज–देश के विकास में शराब को बड़ी बाधा मानते हुए एक हस्ताक्षर अभियान की घोषणा किया और इसे चुनावी मुद्दा बनाने की अपील किया. श्री गिरिजा ने स्कूली बच्चों तक में शराब की लत पर चिंता जाहिर करते हुए अधिकांश महिला विरोधी अपराधों और सड़क दुर्घटनाओं के लिए शराबखोरी को जिम्मेवार माना और इस पर पूर्ण प्रतिबन्ध लगाने की मांग किया. 8 मार्च को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर कोडरमा, बोकारो और गढ़वा जिलों में भी ऐसे सम्मेलन आयोजित हुए. मेराल (गढ़वा) में 80 शराब विरोधी महिला स्वयंसेविकाओं को शाल और स्मृति–चिह्न देकर सम्मानित किया गया. 12 मार्च को सराइकेला–खरसावां जिला सम्मेलन की मुख्य अतिथि नारी शक्ति पुरस्कार प्राप्त श्रीमती चामी मुर्मू थीं. इसी प्रकार 13 और 15 मार्च को चतरा, गिरिडीह जिलों में शराब विरोधी सम्मेलनों का आयोजन हुआ. बोकारो कार्यक्रम के मुख्य अतिथि झारखंड सरकार में उत्पाद एवं मद्य निषेध विभाग के मंत्री श्री जगरनाथ महतो थे, जबकि बाकी जगहों पर अनेक महिला मुखिया–प्रमुख आदि शामिल हुईं. इन सबके पूर्व श्री गिरिजा सतीश ने 16 फरवरी को दिल्ली में आयोजित शराब मुक्त भारत सम्मेलन में लोक समिति का प्रतिनिधित्व किया था, जिसमें बिहार के मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार और राज्य सभा के उप–सभापति श्री हरिवंश भी उपस्थित थे.

एसबीआइ ग्राम सेवा की गतिविधियां

जनवरी–फरवरी 2020, देवघर–जमुईः एसबीआइ फाउंडेशन–मुंबई के सहयोग से एनबीजेके संचालित एसबीआइ ग्राम सेवा कार्यक्रम अंतर्गत देवघर सदर और चकाई प्रखंडों के 10 लक्षित गांवों में समेकित विकास संबंधी अनेक गतिविधियां संपन्न हुई हैं. देवघर सदर प्रखंड के 5 गांवों से 11 महिला–पुरुषों को मशरूम उत्पादन और 35 युवाओं को सिलाई संबंधी प्रशिक्षण हेतु क्रमशः आरएसइटीआइ और एसबीआइ प्रेरणा से जोड़ा गया. 5 सीआइसी को चित्रित कर वहां डीटीएच लगा. इस अवधि में 13 खराब हैंडपंप मरम्मत के साथ 4 नये हैंडपंप लगे और 1 बैठकी–15 बरतन सफाई चबूतरों, 7 सोख्ता गड्ढ़ों, 1 श्मशान शेड और कुल 525 फीट नाली का निर्माण हुआ. गांवों में 85 स्ट्रीट लाइट लगाये गए और एक सामुदायिक पुस्तकालय के साथ प्रखंड स्वास्थ्य केंद्र का जीर्णोद्धार हुआ. युवा समूहों को खेल सामग्री मिले और उन्होंने खेल प्रतियोगिताओं में हिस्सा लिया. 16 फरवरी को आयोजित आँख जांच शिविर में 120 लोगों का परीक्षण कर 17 लोगों की मोतियाबिंद सर्जरी सुनिश्चित की गयी. जबकि चकाई प्रखंड में 9 फरवरी को लगे ऐसे ही शिविर में 120 लोगों की आँख जांच कर मोतियाबिंद से पीड़ित 29 नेत्र रोगियों का ऑपरेशन हुआ. प्रखंड के 5 गांवों में 12 सोख्ता गड्ढ़े बने, 130 स्ट्रीट लाइट लगे, 1 सिलाई प्रशिक्षण केंद्र के साथ 1 आंगनबाड़ी केंद्र व 1 स्कूल की मरम्मत, सीआइसी और डिजिटल क्लास रूम की ब्रांडिंग जैसे काम हुए. उपरोक्त कार्यों के साथ दोनों प्रखंडों के परियोजना गांवों में बाकी रूटीन कार्य भी होते रहे हैं.

झारखंड राज्य स्तरीय केयरर्स फोरम की बैठक

28 फरवरी 2020, रांचीः एनबीजेके, केयरर्स वर्ल्डवाइड–यू.के. और कॉमनवेल्थ फाउंडेशन–यू.के. के संयुक्त तत्वावधान में झारखंड राज्य स्तरीय केयरर्स फोरम की बैठक का आयोजन राज्य निःशक्तता आयुक्त कार्यालय में किया गया. बैठक में रा.नि.आ. श्री सतीश चंद्रा स्वयं उपस्थित थे. बैठक के दौरान फोरम की कोर टीम गठित करने पर विमर्श हुआ ताकि संबंधित कार्यों को सुचारू रूप से किया जा सके. यह निर्णय लिया गया कि इस फोरम को अधिक जनोन्मुखी बनाने के उद्देश्य से निःशक्तता क्षेत्र में कार्यरत विभिन्न संस्थाओं/नेटवर्क्स को इससे जोड़ा जाएगा. निःशक्तता आयुक्त ने अपने आश्रित निःशक्तों/मानसिक रोगियों की देखभाल करने वाले लोगों से जुड़े मुद्दों पर एनबीजेके–केयरर्स वर्ल्डवाइड की इस पहल को सराहनीय बतलाया और सहयोग देने की बात कही. डॉ० अनिल पाटिल (कार्यपालक निदेशक, केयरर्स वर्ल्डवाइड) ने राज्य स्तरीय केयरर्स फोरम के पूर्ण गठन और मजबूती तक उसे मदद करने का आश्वासन दिया. श्री सतीश गिरिजा (सचिव, एनबीजेके) ने केयरर्स वर्ल्डवाइड के सहयोग से संस्था संचालित देखभालकर्ता कार्यक्रम की जानकारी देते हुए कहा कि निःशक्त/मानसिक रोगी/वृद्ध लोगों की देखभाल करने वालों के हित में यह फोरम जरूरी है. बैठक में रांची, रामगढ़ और हजारीबाग जिलों से नेशनल कैरियर सर्विस सेंटर फॉर डिफरेंटली एबल्ड, दीपशिखा, ब्लाइंड पीपुल्स एसोसिएशन, कोशिश, स्पेशल टीचर्स एसोसिएशन, भविष्य किरण, प्रगति केयरर्स सेवा संस्थान जैसी संस्थाओं के प्रतिनिधिगण भी शामिल थे.

Agriculture Promotion under the Program of CBID for PwDs

12-13 February 2020, Dumka: Agriculture is being promoted among differently able villagers and their family members under the program of *Community Based Inclusive Development for PwDs* with support of CBM India-Bangalore. The program is going on in Sadar, Kathikund, Jarmundi and Jama blocks of Dumka district. There are Kisan Clubs to organize such farmers and Dist. Horticulture Deptt. supports them with seeds including other inputs. These farmers grow cauliflower, chilli, brinjal, tomato, radish etc. Recently in Kerabani village, a Kisan Club was formed and the program team participated in a meeting of the club at Sarsabad village. The farmers have been informed about seasonal crops, irrigation and group farming for better output. In Hethbahiyari village, club members have performed well in vegetable growing. The program beneficiaries are confident enough to show their crops in famous Hijla Mela of Dumka. As allied activities in Baghmara and Baliya villages, PwDs families are associated with goat rearing and program promoted SHG took active part in making of village organization as linked with JSLPS. On 20th March, Mr. Shakeeb Khan (Program Officer, CBM-Bangalore) has visited LNJP Eye Hospital-Dumka, operational villages and met target beneficiaries to assess their improvement.

निःशक्तों हेतु समुदाय आधारित समावेशी विकास कार्यक्रम अंतर्गत कृषि प्रोत्साहन

12–13 फवरी, 2020, दुमकाः सीबीएम इंडिया/बंगलुरु के सहयोग से संचालित निःशक्तों हेतु समुदाय आधारित समावेशी विकास कार्यक्रम अंतर्गत विकलांग ग्रामीणों और उनके परिजनों के बीच कृषि कार्य को प्रोत्साहित किया जा रहा है. यह कार्यक्रम दुमका जिला के सदर, काठीकुंड, जरमुंडी और जामा प्रखंडों में क्रियान्वित है. ऐसे किसानों को संगठित करने हेतु किसान क्लबों का गठन किया गया है और जिला बागबानी विभाग की ओर से उन्हें उन्नत बीज के साथ अन्य मदद की जा रही है. ऐसे किसान फूलगोभी, मिर्च, बैगन, मूली आदि की खेती करते हैं. पिछले दिनों केराबनी गांव में किसान क्लब बना और सरसाबाद गांव में आयोजित किसान क्लब की बैठक में कार्यक्रम टीम ने हिस्सा लिया, जहां किसानों को बेहतर परिणाम हेतु मौसमी फसलों, सिंचाई और सामूहिक खेती की जानकारी दी गयी. हेठबहियारी गांव के किसान क्लब सदस्यों ने सब्जी उत्पादन में बेहतर प्रदर्शन किया है. ऐसी पहल से कार्यक्रम के लाभुकों में एक विश्वास पैदा हुआ है और दुमका के प्रसिद्ध हिजला मेला में उन्होंने अपने उत्पादों का प्रदर्शन किया. बाघमारा और बलिया गांवों में हुई सहायक गतिविधियों के तहत दिव्यांग परिवारों को बकरी पालन से जोड़ा गया है और कार्यक्रम प्रोत्साहित स्वमदद समूह ने राज्य आजीविका मिशन से जुड़कर ग्राम संगठन बनाने में योगदान दिया है. 20 मार्च को सीबीएम–बंगलुरु के कार्यक्रम अधिकारी श्री शकीब खान का आगमन हुआ था, जिन्होंने एलएनजेपी आँख अस्पताल और परियोजना ग्रामों में लाभुकों से मिलकर उनकी प्रगति का जायजा लिया.

CASE STUDY केस स्टडी

Bhursu: A Lakhpati Village

Bhursu village is located in south-east of Khunti district HQ at the distance of 14 km near Dombari mountain where legendary Shri Birsa Munda fought against British rule more than a century ago.

The farmers of Bhursu did commendable job towards livelihood upliftment and made the village as Lakhpati one. There are 54 HHs of Munda tribe and they used to grow paddy as main crop with a bit of lac cultivation traditionally.

In Kharif season of the year 2014, NBJK intervened here in favour of 9 HHs with support of CInI-Tata Trusts on improved crops of paddy, black gram & tomato for food security, nutrition development and cash income. There was a positive result with increased production and income of around Rs. 15,000 per family. This success led 45 HHs to grow tomato, paddy & pulses in Kharif season of 2015 along with cabbages, garden pea during Rabi and watermelon in Garma seasons. The quantum and timely production linked Bhursu village with markets. Also the villagers moved towards scientific practices for lac production and average income of each HH increased up to Rs 50,000. This achievement involved 48 women with SHGs and enabled the villagers to collect average income per household as Rs. 65,000 from farm as well as Rs. 40,000 from forest. These activities have motivated 3 SHGs of Bhursu to form a producer group. They make lac on berry trees, tomato on up/middle land & grow other crops of Garma & Rabi season in low land with seepage wells. Mrs Dayamani Nag (Director, Murhu Nari Shakti Kisan Producer Co. Ltd.) belongs to Bhursu village and she earned Rs. 94,000 from farm based activities. Most of the families in this village have better life choices now; they educate their children and became independent financially.

भुरसू – एक लखपति गांव

भुरसू गांव खूंटी जिला मुख्यालय से दक्षिण–पूरब की ओर लगभग 14 कि.मी. की दूरी पर डोमबारी पहाड़ के पास स्थित है, जहां एक आख्यान बन चुके श्री बिरसा मुंडा (1875–1900) ने अंग्रेजी शासन के खिलाफ संघर्ष किया था.

भुरसू के किसानों ने बेहतर आजीविका की दिशा में परिश्रम कर पूरे गांव को लखपति बना डाला है. यहां मुंडा जनजाति के 54 परिवार हैं और पहले वे प्रधानतः धान की खेती करने के साथ वनोपज के रूप में परंपरागत तरीके से लाह भी पैदा करते थे.

वर्ष 2014 के खरीफ मौसम में सिनी–टाटा ट्रस्ट्स के सहयोग से एनबीजेके ने इस गांव के 9 परिवारों को खाद्य सुरक्षा, पोषण और नकद आय के लिए धान, उड़द और टमाटर की उन्नत खेती के लिए प्रोत्साहित किया था. इसका सकारात्मक परिणाम मिला और प्रति परिवार लगभग 15 हजार रु० की आमदनी भी हुई. इस सफलता ने 2015 में गांव के 45 परिवारों को खरीफ में टमाटर–धान–दलहन, रबी में पत्ता गोभी–मटर और गरमा में तरबूज की फसल लेने हेतु प्रेरित किया. समय पर उपज और उसकी मात्रा ने भुरसू गांव को बाजार से जुड़ने में मदद किया. ग्रामीणों ने लाह उत्पादन में भी वैज्ञानिक तरीकों को अपनाया और हर परिवार की औसत आय 50 हजार रु० तक पहुंच गयी. ऐसी उपलब्धि से 48 ग्रामीण महिलाओं ने 3 स्वमदद समूहों का गठन कर एक सम्मिलित प्रयास द्वारा प्रति परिवार कृषि आय को रु० 65,000 और वनोपज आय को रु० 40,000 से अधिक करने में अपना योगदान दिया. इन गतिविधियों ने महिला स्वमदद समूहों को एक उत्पादक समूह बनाने की दिशा में प्रेरित किया. आज भुरसू गांव में बेर वृक्षों पर लाह, ऊंची/मध्यम जमीन पर टमाटर और गरमा–रबी ऋतुओं में सीपेज कुँओं की सहायता से अन्य फसलों का उत्पादन होता है. मुरहू नारी शक्ति किसान प्रोड्यूसर कंपनी लि० की एक निदेशक श्रीमती दयामणि नाग इसी गांव की रहने वाली हैं, जिन्होंने सिर्फ कृषि से 95 हजार रु० का लाभ लिया है. आज भुरसू के लगभग सभी परिवारों की वार्षिक आय एक लाख रु० से ज्यादा है, उनका जीवन बेहतर हुआ है, बच्चों को अच्छी शिक्षा मिल रही है और कुछ बचत भी होती है.

परिकल्पना : **श्री गिरिजा सतीश**
प्रस्तुति : **विनय भट्ट**
नव भारत जागृति केन्द्र, संयोजन कार्यालय
ग्राम – अमृतनगर, पो. कोर्रा, जिला हजारीबाग (झारखण्ड) द्वारा प्रकाशित
दूरभाषः +91 9431140385, +91 9835751159
ई मेलः nbjkco@gmail.com; vinay.bhatta@nbjk.org